# भारत की राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

#### **EXTRAORDINARY**

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1467] No. 1467] नई दिल्ली, सोमवार, अक्तूबर 20, 2008/आश्विन 28, 1930 NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 20, 2008/ASVINA 28, 1930

#### संस्कृति विभाग

(भारतीय पुरातस्य सर्वेक्षण)

### अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 अक्तूबर, 2008

का.आ. 2480(अ), केन्द्रीय सरकार ने, भारत का राजपत्र, असाधारण भाग II, खंड 3, उप-खण्ड (ii), दिनांक 16 मार्च, 2006 में प्रकाशित भारत सरकार के संस्कृति विभाग (भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण) की 14 मार्च, 2006 की अधिसूचना सं. का.आ. 325(अ), जिसे प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्त्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उप-धारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जारी किया गया, में उक्त अधिसूचना के साथ संलग्न स्थल मानचित्र तथा अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने आशय की केन्द्र सरकार ने दो मास की सूचना दी थी और उक्त अधिसूचना की एक प्रतिलिपि उक्त संस्मारक के निकट सहज दृश्य स्थान पर चिपका दी गई थी;

और, उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां 1 मई, 2006 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं ; और, ऐसी घोषणा करने के लिए जनता से आपत्तियां प्राप्त हुई थीं तथा उन्हें अपास्त किया गया है:

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्त्वीय स्थल एवं अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उप-धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्द्वारा इसके साथ संलग्न स्थल मानचित्र तथा अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करती है ।

				HE	ĻΑ	<i>L</i> L	111		IN	Dt/		ΛI	KA	Ur	J)   [	נתו	11	
टियागिया		9-	मदिर में पूजा	की जाती हैं	तथा इसका	प्रबंधन	कोबीन	देवास्व	बोर्ड हारा	किया जाता	— 和心	मिदिर की	श्रीकोली की	न्ध्रीयारों क	मित्र-विश्र	को पहले ही	संरक्षित किया	गया है।
स्वामित्व	-	6	भूखड स	450	पल्लीमान्ना	देवासोम				-	_		,					
चारदीयारी		8	उत्तर	भूखाँ सा ४४९	<u>.</u> जि	भूखंड स. 443	(नाता)	यक्तियः	भूखंड सं ४५।	पश्चिम	भूखंड सं 452/3	भूखक सं 167।	নথা শ্ৰেভ মা 449	÷ 				
<b>8</b>		r-	0.2671	हैक्टयर									<del>.</del>					
संरक्षण में शामिल किए	जाने वाली राजस्व मूखण्ड सं	9	भूखंड सं 450	ī														
स्मारक का	नाम	ş	शिव मंदिर	परिसर,	पत्त्तीमान् <b>ग</b>													
स्थान		4	वडक्कनचेरी		_									•				
तहसील		6	तातापिल्ले															
जिला		2	जिस्र	ŕ														
संक्ष		-	करल				·						_		•		-	

[फा. स. 2ए/2/79-एम]

अंगु वैश्य, महानिर्शक एवं अपर सचिष

पल्लीमन्ना, गाँव वादककानथेरी, जिला-त्रिचूर, राज्य-छेरल में स्थित शिवे–मन्दिर कान्यलेक्स का

स्थल माम्मीयत्र

Ş.

202

14. M.

(ma);

(a. 1)



(talk) are

संरक्षित क्षेत्र

(40) (40)

10412

### DEPARTMENT OF CULTURE

## (Archaeological Survey of India) NOTIFICATION

New Delhi, the 16th October, 2008

s.o. 2480(E).—Whereas by the notification of the Government of India in the Department of Culture(Archaeological Survey of India) number S.O. 325(E), dated the 14th March 2006 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, section 3, sub-section(ii) dated the 16th March 2006, issued in exercise of the powers conferred by sub-section(I) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958(24 of 1958), the Central Government gave two months' notice of its intention to declare the ancient monument specified in the Site Plan and the Schedule to the said notification to be of national importance and a copy of the said notification was affixed in a conspicuous place near the said ancient monument;

\*\*And, whereas copies of the said Gazette Notification were made available to the public on 1st May 2006;

And, whereas, objections have been received from the public to the making of such declaration and have been set-aside;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection(3) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act 1958(24 of 1958), the Central Government hereby declares the said ancient monument specified in the Site plan and the Schedule annexed hereto, to be of national importance.

CHEDULE
Ō

			_			7	;==		三		<u> </u>	_	==		<u> </u>		=		_	=		_	=
Percent	·	52				9	The temple is under	worship and	monoged by the	Cochin Devaswom	Board.	The mared experience	on the walk of the	Srikoli of the temple	Ore cireddy Drotected	5000						•	•
Ownership					•	6	Plot No. 450	Paimanna	Devasom.												•		
Boundaries		:				<b>00</b>	North:	Plof No.449.			Plot No.443 (Nata)	•	South	FIOR 190:45	West	Plot No. 452/3,	Not No. 1671	and Plot No.449	_				
Area					:	7	0.2671	Herc									•						1
Revenue	Plot	numbers to	be included	under	protection	φ,	Piot No.450			•				•	<del></del>			-					
Name of the	Monument					5	Siva temple	Pollmone	Commence of the Commence of th			•					•						
Locality						-	Vadakkan-	5							•		<del></del>	_ =			<del>-, .</del>		     
ehsil				<u>.</u> '		60	Tolopity		-											-	_		
District					1	7	Thrissur	_															
State					•	<del> </del>	Kerala					<del></del>				··							

4023696-2

